जनपद उत्तरकाशी में आराकोट–कलीच–थुनारा–डामटी अवशेष मोटर मार्ग के विस्तार हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1 निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग पुरोला के अन्तर्गत 5.00 कि0 मी0 लम्बाई में आराकोट–कलीच–थुनारा–डामटी अवशेष विस्तार मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0 पुरोला के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा सम्बंधित सहायक अभियन्ता श्री डी0 एस0 रावत के साथ निरीक्षण किया गया।

2 राज्य योजना के अन्तर्गत आराकोट–कलीच–थुनारा–डामटी अवशेष मोटर मार्ग के विस्तार हेतु 5.00 कि0 मी0 लम्बाई में मोटर मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत है। निरीक्षण के समय अवगत कराया गया कि यह पुरानी स्वीकृति है तथा पूर्व में इसका समरेखन अधीक्षण अभियन्ता लो0 नि0 वि0 उत्तरकाशी के द्वारा अनुमोदित किया गया था। किन्तु अधिक वृक्ष एवं वनभूमि प्रभावित होने के कारण वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के द्वारा समरेखन निरस्त कर दिया गया था। लाभान्वित होने वाले ग्रामों को जोड़ने हेतु सम्बंधित खण्ड के द्वारा मार्ग निर्माण हेतु पुनः सर्वेक्षण किया गया है, तथा स्थानीय ग्रामवासियों की सहमति एवं कम वन भूमि प्रभावित होने के आधार पर समरेखन संख्या एक को मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित किया गया है। यह समरेखन प्रस्तावित आराकोट–कलीच–थुनारा–डामटी मोटर मार्ग के कि0 मी0 6 (5/40) से आगे प्रारम्भ होता है, तथा स्वीकृत लम्बाई में ग्राम पाजूधार, कसैड़ी व थुनारा को जोड़ कर समाप्त होता है। अवगत कराया गया है कि समरेखन वनभूमि एवं नाप भूमि से होकर गुजरता है। इस समरेखन में कोई हेयर पिन बैण्ड नहीं है। समरेखन क्षेत्र में मुख्यतः क्वार्टजाईट तथा शिस्ट चट्टान हैं। चट्टान के ऊपर स्थान–स्थान मिट्टी/डेब्री का ओवरबर्डन है। चट्टानी भाग में पहाड़ी ढलान अपेक्षाकृत तीव्र है जबकि नाप भूमि में ढलान कम है।

3 समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू– आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(i) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहॉ रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहॉ इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जायें।

(ii) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जायें।

(iii) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(iv) समरेखन में अपेक्षाकृत तीव्र पहाड़ी ढलान वाले भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

Copy Attested
Assistant Engineer
C.D P.W.D Purola
Uttarkashi

(v) जहॉ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, ऐसे भाग में मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(vi) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रकिया को नियंत्रित रखा जा सके।

(vii) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जायें। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(viii) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

(ix) तीव्र चट्टानी भाग में ब्लास्टिंग किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्टस सकिय हो सकते है। अतः जहॉ आवश्यक हो मार्ग कटान में नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाये।

1 आराकोट–कलीच–थुनारा–डामटी अवशेष मोटर मार्ग (विस्तार) के निर्माण हेतु 5.00 कि0 मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लियें उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणीः–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाये।

Photocopy Attested
Photo Copy Attested
Assistant Engineer
C.D P.W.D. Purola
Uttarkashi

H. Kumar
9.2.15

(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग